हमारा भारत
हमारी शान

डा. प्रभात कुमार सिंघल
(*पूर्व ज्वाईन्ट डायरेक्टर*)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग
राजस्थान सरकार, कोटा, राजस्थान, भारत

HAMARA BHARAT HAMARI SHAAN

Copyright © : Dr. Prabhat Kumar Singhal
Publishing Rights ℗ : VSRD Academic Publishing
A Division of Visual Soft India Pvt. Ltd.

ISBN-13: 978-81-952115-5-5
FIRST EDITION, MARCH 2021, INDIA

Printed & Published by:
VSRD Academic Publishing
(*A Division of Visual Soft India Pvt. Ltd.*)

Disclaimer: The author(s) are solely responsible for the contents compiled in this book. The publishers or its staff do not take any responsibility for the same in any manner. Errors, if any, are purely unintentional and readers are requested to communicate such errors to the Authors or Publishers to avoid discrepancies in future.

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any form or by any means, electronic, mechanical, photo-copying, recording or otherwise, without the prior permission of the Publishers & Author.

Printed & Bound in India

VSRD ACADEMIC PUBLISHING

A Division of Visual Soft India Pvt. Ltd.

REGISTERED OFFICE
154, Tezabmill Campus, Anwarganj, KANPUR – 208003 (UP) (IN)
Mb: 98999 36803, Web: www.vsrdpublishing.com, Email: vsrdpublishing@gmail.com

MARKETING OFFICE
340, FF, Adarsh Nagar, Oshiwara, Andheri(W), MUMBAI–400053 (MH)(IN)
Mb: 99561 27040, Web: www.vsrdpublishing.com, Email: vsrdpublishing@gmail.com

डॉ. दीपक कुमार श्रीवास्तव

प्राक्कथन

बहुरंगी विविधता के साथ–साथ विभिन्नता में एकता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, अकूत प्राकृतिक सम्पदा एवं तेजी से विकासशील देशों की ओर बढ़ते कदम भारत देश की जहाँ अपनी प्रमुख विशेषताएं हैं, वहीं इसका इतिहास भी उतना ही दिलचस्प है। भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक हैं, जो 4,000 से अधिक वर्षों से चली आ रही है। अनेक रीति–रिवाज और परम्पराएं समृद्ध संस्कृति और विरासत का परिचायक हैं। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर विभिन्न काल में विभिन्न राजवंशों ने शासन किया, मुगलों के बाद ब्रिटिश आये पर हमारी एकता,सभ्यता,संस्कृति अक्षुण बनी रही। ब्रटिश राज्य समाप्त होने पर मिली आजादी के बाद देश का बंटवारा हिन्दुस्तान और पाकिस्तान के रूप में सामने आया।

देश के इतिहास में उपनिवेशवाद से उभरते देश में 70 वर्षों के अंदर वैश्चिक परिदृश्य में एक अग्रणी अर्थव्यवस्था के विकास की

उदारता की झलक दिखाई देती है। हर क्षेत्र में आजादी के बाद अब तक प्रगति और उन्नति के आयामों को जिस प्रकार स्थापित किया है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है। भारत कृषि में आत्मनिर्भर बन चुका है और अब दुनिया के सबसे औद्योगीकृत देशों की श्रेणी में भी इसकी गिनती की जाती है। साथ ही उन कुछ देशों में भी शामिल होने लगा है, जिनके कदम चांद तक पहुंच चुके हैं। राष्ट्र का यह विकसित होता रूप देश और दुनिया में प्रत्येक भारतीय के मन में राष्ट्रीय गर्व की भावना जगाता है।

भारत के सामने स्वतंत्रता से पहले ब्रिटीश इंडिया, फ्रांस का उपनिवेश, पुर्तगाल का उपनिवेश एवं रियासतों की शासन व्यवस्था का पुनर्गठन कर नये भारत के निर्माण का अहम प्रश्न सामने था। भारत के राज्यों की निर्माण के इतिहास को देखें तो लम्बी प्रक्रिया के बाद वर्तमान में भारत में वर्तमान में 28 राज्य एवं 8 केंद्र शासित राज्य बन गए हैं। आजादी से पूर्व देश 565 राजसी रियासतों में बंटा हुआ था,जो आजादी के बाद भारत के अंतर्गत आई, जिन्हें भारतीय संघ के राज्य के रूप में पुनर्गठित किया गया। हैदराबाद, जूनागढ़, भोपाल और कश्मीर भारत का हिस्सा बनने के लिए तैयार नहीं हुए थे, बाद में 1956 तक यह रियासतें भी भारतीय संघ का हिस्सा बन गई। जम्मू–कश्मीर के राजा हरिसिंह ने भारत में विलय के कागजातों पर 1948 में हस्ताक्षर किए। सन 1956 में इसे भारतीय संघ का हिस्सा घोषित कर दिया गया। अगस्त 2019 में जम्मू–कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त करके कश्मीर के साथ लद्दाख दोनों को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया हैं।

वर्ष 1950 में उत्तरप्रदेश, बिहार, असम, उड़ीसा, मद्रास राज्य गठित किये गये। वर्ष 2011 में उड़ीसा का नाम बदलकर ओडिशा कर दिया गया। मद्रास का नाम 1969 में बदल कर तमिलनाडु कर दिया गया। आंध्र प्रदेश जो पहले मद्रास का हिस्सा था को 1

नवंबर 1956 को इसे पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया और 2 जून 2014 को आंध्रप्रदेश के उत्तर–पश्चिमी हिस्से को अलग राज्य तेलंगाना बनाया गया। ग्वालियर, इंदौर और भोपाल रियासत को मिलाकर 1956 में मध्यप्रदेश राज्य बनाया गया। त्रावणकोर, कोचीन और मलाबार को मिलाकर 1956 में केरल राज्य का गठन किया गया है। एक नवंबर 1956 को मैसूर राज्य का गठन किया गया तथा 1973 में राज्य का नाम कर्नाटक कर दिया गया। महाराष्ट्र और गुजरात, बॉम्बे प्रेजिडेंसी का हिस्सा थे। एक मई 1960 को महाराष्ट्र और गुजरात को विभक्त करके दो अलग–अलग राज्य गठित किये गए। असम से नागा क्षेत्र को अलग करके एक दिसंबर 1963 को नगालैंड राज्य का गठन किया गया।

पटियाला रियासत में आठ छोटी–छोटी रियासतों का विलय करके पंजाब का गठन किया गया था। वर्ष 1966 में पंजाब से हरियाणा को अलग किया गया और चंडीगढ़ को दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी बनाया गया। वर्ष 1950 में 30 रियासतों को मिलाकर हिमाचल प्रदेश बनाया गया जिसे 1956 में केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया और 25 जनवरी 1971 को पूर्ण राज्य बना दिया गया। मणिपुर को 1956 में केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया और 21 जनवरी 1972 को इसे पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया। मेघालय को असम के अंतर्गत 1970 में स्वायत्त राज्य बनाया गया था, बाद में 21 जनवरी 1972 को इसे पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया। त्रिपुरा तीन ओर से बांग्लादेश से घिरा हुआ है, जो1972 तक केंद्र शासित राज्य रहा और इसके बाद इसे पूर्ण राज्य बनाया गया। सिक्किम 16 मई 1975 को भारतीय संघ का हिस्सा बना गया।

भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद भी गोवा पुर्तगाली आधिपत्य में रहा। वर्ष 1961 में भारतीय सेना ने इसे मुक्त कराया और इसे केंद्र शासित राज्य बनाया गया। इसी के साथ दमन और दीव भी स्वतंत्र

करा लिया गया। गोवा को 30 मई 1987 को पूर्ण राज्य घोषित किया गया।।अरुणाचल प्रदेश को 1972 में केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया एवं आगे चलकर 1987 में इसे पूर्ण राज्य बनाया गया। ईटानगर को इसकी राजधानी घोषित किया गया। मिजोरम असम का एक जिला था को 1972 में केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया एवं 20 फरवरी 1987 को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया। एक नवंबर 2000 को मध्यप्रदेश का पुनर्गठन किया गया और छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाया गया। बिहार के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र को 15 नवंबर 2000 को बिहार से पृथक करके झारखण्ड अलग राज्य बनाया गया था। उत्तरप्रदेश के उत्तरी पहाड़ी क्षेत्रों को मिलाकर 2000 में नये उत्तराखंड राज्य का गठन किया गया। आंध्रप्रदेश के कुछ जिलों को मिला कर 2 जून 2014 को प्रथक राज्य तेलंगाना का गठन कर इसे पूर्ण राज्य घोषित किया गया। दादर–नगर हवेली और दमन–दीव को मिला कर नये राज्य का गठन 26 जनवरी 2020 को किया गया एवं दमन को इसकी राजधानी बनाया गया।

भोगोलिक दृष्टि से भारत का 32,87,263 वर्ग किमी. क्षेत्रफल हिमाच्छादित हिमालय की ऊंचाइयों से शुरू होकर दक्षिण के विषुवतीय वर्षा वनों तक फैला हुआ है। देश में विविध धर्मों के करीब 130 करोड़ लोग निवास करते हैं और भावनात्मक रूप से एकता को डोर में बंधे हैं, जो हमारे राष्ट्र की शक्ति का परिचायक हैं। विश्व का सातवां बड़ा देश होने के नाते भारत शेष एशिया से अलग दिखाई देता है। पर्वत, समुद्र, नदियाँ,वन देश की विशिष्ट भौगोलिक पहचान बनाते हैं। उत्तर में वृहत पर्वत श्रृंखला हिमालय से घिरा यह कर्क रेखा से आगे संकरा होता जाता है। पूर्व में बंगाल की खाड़ी, पश्चिम में अरब सागर तथा दक्षिण में हिन्द महासागर देश की तटीय सीमा निर्धारित करते हैं। देश उत्तर पश्चिम में अफगानिस्तान और पाकिस्तान, भूटान और नेपाल उत्तर

में म्यांमार एवं पश्चिम बंगाल के पूर्व में बंगलादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमा बनाते हैं। श्रीलंका भारत से समुद्र के संकीर्ण नहर द्वारा अलग किया जाता है जो पाल्क स्ट्रेट और मनार की खाड़ी द्वारा निर्मित है।

भारत की भोगोलिक सीमा 15,200 किमी. लम्बी है जिसमें से 7,516. 6 किमी.समुद्र तटीय सीमा है, जिसमें मुख्य भूमि, लक्षद्वीप, और अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह शामिल हैं। देश की मुख्य भूमि ग्रेट माउन्टेन जोन, गंगा और सिंधु का मैदान, रेगिस्तान क्षेत्र और दक्षिणी पेनिंसुला चार क्षेत्रों में विभक्त हैं। देश में 80.73 मिलियन हेक्टेयर वन एवं वनाच्छादित क्षेत्र है जो कुल भोगोलिक क्षेत्र का 24.56 है और विविध वनस्पतियों और जैव विविधता से भरपूर है। प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से भूमि पर मुख्य रूप से कोयला, लौह अयस्क, मैगनीज अयस्क, माइका, बॉक्साइट, पेट्रोलियम, टाइटानियम अयस्क, क्रोमाइट, प्राकृतिक गैस, मैगनेसाइट, चूना पत्थर, अराबल लेण्ड, डोलोमाइट, माऊलिन, जिप्सम, अपादाइट, फोसफोराइट, स्टीटाइल, फ्लोराइट आदि खनिज प्रचुरता से पाये जाते हैं।

सांस्कृतिक दृष्टि से देश के सभी राज्यों का विविधतापूर्ण संगीत, नृत्य, वाद्य, लोक परम्पराएं, आदिवासी संस्कृति, हस्तशिल्प और विविध कलाएं और साहित्य हमें गौरवान्वित करता है। मंदिरों, चेत्यों, विहारों,गुफाओं,इमारतों,छतरियों,बावड़ियों में हमें प्राचीन मूर्ति शिल्प और स्थापत्य कला के दर्शन होते हैं। किलों और महलों की समृद्ध विरासत देश की धरोहर हैं। वर्ष भर मनाये जाने वाले समस्त वर्गों के त्योहार ,उत्सव और मेलों से श्रंगारित है हमारी संस्कृति। देश की ये सांस्कृतिक विरासत आदि काल से अनवरत पीढ़ी दर पीढ़ी संरक्षित हो रही है और दुनिया में पर्यटन का सबल माध्यम भी बन रही है। आज पर्यटन एक उद्योग बन गया है और भारत की

अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। विदेशों में गूंज रही है हमारी संस्कृति की महिमा।

भारत की ऐसी ही विशेषताओं को आधार बना कर राज्यवार आवश्यक एवं महत्वपूर्ण तथ्यों का समावेश कर कोटा के वरिष्ठ लेखक, पत्रकार तथा पूर्व संयुक्त निदेशक सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, राजस्थान सरकार, कोटा डॉ. प्रभात कुमार सिंघल ने "हमारा भारत हमारी शान" पुस्तक का लेखन किया है। यह पुस्तक निश्चित ही पाठकों को भारत को जानने का माध्यम बनेगी, सामान्य ज्ञान की दृष्टि से विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगी और पर्यटन को बढ़ावा देने में सहायक होगी। लेखक को उनके श्रमसाध्य कार्य के लिए बधाई देते हुए आशा करता हूं इस पुस्तक का स्वागत किया जाएगा।

डॉ. दीपक कुमार श्रीवास्तव
इनेली साउथ एशिया मेंटर
(इफला वॉल ऑफ फेम में सम्मिलित नाम)
एवं संभागीय पुस्तकालय अध्यक्ष
राजकीय सार्वजनिक मंडल पुस्तकालय, कोटा
deepakshri1974@gmail.com
मो. 9694783261

लेखकीय

हमारा भारत हमारी शान एक पुस्तक के रूप में मणिमाला के मोती की तरह है, जिसमें हर राज्य की विशेषताओं के मोतियों को पिरोया गया हैं। भारतवासी जो भारत को जानना–समझना चाहते हैं, उनके लिए ये मोती चमक बिखेर कर जिज्ञासा को शांत करेंगे। ये मोती भारत के राज्यों में बिखरे ऐतिहासिक, भोगोलिक और सांस्कृतिक परम्पराओं के हैं। राज्यों के मोतियों की मणिमाला से गूंथा भारत दुनिया का सबसे विविध राष्ट्र है। एक साथ गुंथी विभिन्न संस्कृतियां भारत की विविधता को दुनिया के चमत्कारों में से एक है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक और आबादी में दूसरा बड़ा देश है। मुख्य भूमि की विशाल सीमा वाला भारत उत्तर में कश्मीर से दक्षिण में कन्याकुमारी और पश्चिम में कच्छ से पूर्व में अरुणाचल प्रदेश तक फैला हुआ है। राजनीतिक रूप से भारत में 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं, जिनमें भारत अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिन्द महासागर देश की समुंद्र तटीय रेखा बनाती है, जिसमें अंडमान और निकोबार और लक्षद्वीप के द्वीप भी शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक राज्य की अपनी सांस्कृतिक पहचान है। उत्तर में दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत श्रृंखला हिमालय, पश्चिम में रेगिस्तान और तीन तरफ सागरों से घिरा है। गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु विश्व की प्रमुख नदियों में शामिल हैं। लगभग 1.30 करोड़ हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और अन्य धर्मों और विविध भाषाओं के लोग अपनी रंगबिरंगी संस्कृति के साथ विभिन्न फूलों के गुलदस्ते की तरह एकता के सूत्र में बंधे प्रेम एवं सदभावना की अनूठी मिसाल प्रस्तुत करते हैं।देश में करीब 1635 बोलियां प्रचलित हैं, जिनमें से शासन द्वारा अधिकृत 22 भाषाएं हैं।

कृषि और खनिज प्रधान भूमि की सांस्कृतिक विविधताओं के रंग में

रंगे देश में मूर्ति शिल्प एवं स्थापत्य कला, नृत्य, संगीत, लोकरंग, आदिवासी कलाएं, चित्रकला की शैलियां, हस्तशिल्प एवं प्रदर्शनकारी कलाओं की विविधताएं दुनिया में हमारी समृद्ध संस्कृति की थाती है। अजंता– एलोरा गुफाएं, सांची स्तूप, कोणार्क में सूर्य मंदिर और लाल किला, ताजमहल, फतेहपुर सीकरी दुनिया के सबसे महान वास्तुकला के उदाहरण सहित 40 स्थलों को यूनेस्को ने अपनी विश्व धरोहर में शामिल किया है।

भारत में घूमने के लिए अपनी रूचि और इच्छा के अनुरूप सैलानी कार्यक्रम बना सकते हैं। यहां की धरती पर धार्मिक दृष्टि से विभिन्न धर्मों के कारीगरीपूर्ण मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरूदारे दर्शनीय हैं। मथुरा, वृन्दावन, बनारस, हरिद्वार, ऋषिकेश, रामेश्वम्‌ पुरी, नाथद्वारा एवं पुष्कर आदि अनेक धार्मिक नगर सैलालियों के आकर्षण का केन्द्र हैं। अमृतसर में सिक्खों का जगविख्यात स्वर्ण मंदिर गुरूद्वारा अपनी विशेष पहचान रखता है। देश में विभिन्न स्थानों पर मुसलमानों की भव्य मस्जिदों में अजमेर स्थित ख्वाजा साहब की दरगाह पूरे विश्व में विख्यात है। गोवा के सुन्दर चर्च विख्यात हैं।

देश के द्वादश ज्योतिर्लिंग, 51 शक्ति पीठ, चार धाम,सप्त पुरियाँ, अति प्राचीन काल से धार्मिक संस्कृति की दुनिया में पहचान बनाते हैं। कुचीपुडी, कोट्टट्टम, बिहू नृत्य, गरबा, चर्कुला, भरतनाट्यम,थेरू कुथू, कथक,घूमर, कालबेलिया, भवाई, तेराताली, चिरमी, गैर, ओडिशी, भांगड़ा, गिद्धा प्रमुख नृत्यों सहित देश में करीब 111 किस्म के नृत्य अपनी मनोहारी आभा बिखेरते हैं। राजस्थान में बून्दी शैली के चित्र विश्व व्यापी पहचान बनाते हैं। भारत के हर प्रदेश का खानपान ,पहनावा, जीवनशैली भिन्न –भिन्न है और लोगों में एक दूसरे की संस्कृति के लिए पूरा सम्मान है। हर दिन त्यौहार– पर्व – उत्सव भारतीय संस्कृति की पहचान हैं। दुनिया में शायद ही इतनी विविधतापूर्ण संस्कृति के दर्शन शायद ही कहीं ओर देखने को

मिलें। भारत एक महान अध्यात्मिक विरासात वाला बहुधार्मिक एवं बहुसांस्कृतिक देश है। पर्वतीय स्थल, नदियां एवं समुंद्र सैलानियों को सहासिक पर्यटन के लिए आमंत्रित करते हैं। ऐतिहासिक भव्य भवन सैलानियों को भवनों से जुड़ी देशभक्ति, मानव प्रेम, वीरता और साहस तथा त्याग और बलिदान की गाथाओं से परिचय कराते हैं। संग्रहालय, सभ्यता और संस्कृति के दर्शन कराते हैं जबकि वन एवं राष्ट्रीय अभयारण्य प्रकृति के श्रृंगार और वन्यजीवों की प्रजातियों से अचंभित करते हैं। अनेक मिथक और गलत धारणाएं होने के बावजूद भी लाखों सैलानी विदेशों से भारत भ्रमण पर आते हैं।

इस संक्षिप्त भूमिका के साथ भारत के राज्यों को पूर्वी भारत, पूर्वोत्तर भारत, पश्चिमी भारत, उत्तरी भारत एवं मध्य भारत क्रम में राज्यवार आलेखित किया गया हैं। प्रत्येक राज्य को उसके इतिहास, भूगोल, वन–वन्यजीव, कृषि, उद्योग–खनिज–हस्तशिल्प, संस्कृति, परिवहन क्षेत्रों के साथ–दर्शनीय स्थलों पर केंद्रित किया गया है।

पुस्तक लेखन एवं प्रकाशन की यात्रा में सहभागी बने सर्वप्रथम मैं पुस्तकालय विज्ञान पर अनेक पुस्तकों के लेखक डॉ. दीपक कुमार श्रीवास्तव इनेली साउथ एशिया मेंटर (इफला वॉल ऑफ फेम में सम्मिलित नाम) एवं संभागीय पुस्तकालय अध्यक्ष, राजकीय सार्वजनिक मंडल पुस्तकालय, कोटा का तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने पुस्तक के लिए उपयोगी प्राक्कथन ही नहीं लिखा वरन पुस्तक को मूर्त रूप देने में प्रकाशन स्तर तक पहुँचाने में अमूल्य समय निकाल कर अपना अथक सहयोग प्रदान किया।

भूगोल एवं सामान्य ज्ञान पर अनेक पुस्तकों के लेखक डबल गोल्ड मेडलिस्ट श्री प्रमोद कुमार सिंघल, पूर्व प्राचार्य कन्या महाविद्यालय, बून्दी का विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूं जिनके ज्ञान के लाभ से तथ्यात्मक मौलिक सूचनाओं का समावेश हो कर पुस्तक समृद्ध

बनी। पुस्तक लेखन के प्ररेणा स्त्रोत एवं समय–समय पर मार्ग दर्शन करने तथा अपने व्यापक भारत भ्रमण के संस्मरणों की जानकारी देकर पुस्तक को उपयोगी बनाने के लिए मैं श्री अनुज कुमार कुच्छल सीनियर सेक्शन इंजीनियर, मध्य–पश्चिम रेलवे, कोटा का भी ह्रदय के गहनतम तल से शुक्रगुजार हूं जिन्होंने अपना अमूल्य समय निकाल कर मार्गदर्शन प्रदान किया।

मैं एडवोकेट श्री अख्तर खान "अकेला", वरिष्ठ पत्रकार के.डी. अब्बासी, श्रीमती तकसीम बानो, भीलवाड़ा की लेखिका श्रीमती शिखा अग्रवाल एवं पत्रकार श्री सलीमुद्दीन काज़ी का भी दिल की गहराइयों से आभारी हूं जिनके विविध प्रकार बहुमूल्य सहयोग से ही पुस्तक का स्वरूप बन पाया।

आशा है कि यह पुस्तक भारत को जानने के जिज्ञासुओं के साथ–साथ विशेष रूप से सामान्य ज्ञान की दृष्टि से प्रतियोगी परीक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। पुस्तक भारत के पर्यटन विकास में सहायक होगी ऐसी आशा करता हूँ। आपके अमूल्य सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी।

डॉ. प्रभात कुमार सिंघल

अनुक्रम

(1) ओड़िसा 1-13

(2) पश्चिम बंगाल 14-26

(3) सिक्किम 27-35

(4) असम 36-44

(5) अरुणाचल प्रदेश 45-50

(6) मणिपुर 51-58

(7) मेघालय 59-66

(8) मिज़ोरम 67-71

(9) नागालैंड 72-78

(10) त्रिपुरा 79-86

(11) दादर – नगर हवेली और दमन - दीव 87-96

(12) गुजरात 97-116

(13) गोवा 117-127

(14) महाराष्ट्र 128-145

(15) राजस्थान 146-171

(16) बिहार 172-184

(17) दिल्ली 185-198

(18) हरियाणा.. 199-209

(19) हिमाचल प्रदेश 210-219

(20) जम्मू-कश्मीर 220-233

(21) लद्दाख.. 234-239

(22) पंजाब.. 240-252

(23) उत्तर प्रदेश 253-268

(24) उत्तराखण्ड 269-283

(25) अंडमान निकोबार 284-294

(26) आंध्र प्रदेश.. 295-307

(27) केरल... 308-321

(28) कर्नाटक.. 322-339

(29) लक्षद्वीप.. 340-351

(30) पुदुचेरी 352-363

(31) तेलंगाना... 364-374

(32) तमिलनाडु.. 375-384

(33) छत्तीसगढ़... 385-395

(34) झारखंड 396-404

(35) मध्य प्रदेश 405-419

सन्दर्भ

1. भारतीय ऐतिहासिक स्थल कोष, डॉ.एच.सी.जैन, जैन प्रकाशन मन्दिर, जयपुर.

2. भारत का इतिहास, डॉ.एच.सी.जैन, अजमेर बुक कम्पनी, जयपुर.

3. भारतीय मूर्ति शिल्प और स्थापत्य कला, मीनाक्षी कासलीवाल भारती, राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर–2009.

4. ऐसा देश है मेरा–भारत भृमण, डॉ. प्रभात कुमार सिंघल, डेल्टन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली–2018

5. संचयिका राजस्थान का इतिहास, डॉ. हुकम चंद जैन एवं प्रो. प्रमोद कुमार सिंघल, सबल पब्लिकेशन, जयपुर–2021.

6. दक्षिणी भारत के मंदिर, के.आर.श्रीनिवासन, नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया, नई दिल्ली–1996.

7. भारत की विश्व विरासत–यूनेस्को की सूची में शामिल, डॉ. प्रभात कुमार सिंघल एवं अनुज कुमार कुच्छल, सहित्यागार प्रकाशन, जयपुर–2021.

8. भारत में समुंद्र तटीय पर्यटन, डॉ. प्रभात कुमार सिंघल एवं अनुज कुमार कुच्छल, सहित्यागार प्रकाशन, जयपुर–2021.

9. अदभुत राजस्थान, डॉ. प्रभात कुमार सिंघल एवं प्रमोद कुमार सिंघल, सहित्यागार प्रकाशन, जयपुर–2021.

10. भारत का भूगोल और इतिहास, हुकम चंद जैन, पी.के. सिंघल, श्याम सुंदर शर्मा, बोधि प्रकाशन, कोटा.

11. भारत सरकार के राज्यों की वेब साइटस.

12. राज्यों की पर्यटन वेब साइट्स.

13. विकिपीडिया.

14. गूगल सर्च.

15. राष्ट्रीय समाचार पत्र–पत्रिकाओं एवं विभिन्न समाचार पोर्टल्स पर प्रकाशित लेखक के आलेख.

16. लेखक द्वारा भारत के अधिकांश राज्यों के पर्यटन के अपने निजी अनुभव.